भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2564

उत्तर देने की तारीख-17/03/2025

परीक्षा पे चर्चा, 2025

2564. श्री प्रदीप कुमार सिंह:
श्री तेजस्वी सूर्या:
श्री विजय बघेल:
श्रीमती पूनमबेन माडम:
श्रीमती कमलजीत सहरावतः
श्री विनोद लखमशी चावड़ा:
श्रीमती हिमाद्री सिंह:
श्री मुकेश राजपूतः
श्री बिभु प्रसाद तराई:
श्री जगदम्बिका पाल:
श्री मनीष जायसवाल:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा वर्ष 2025 में 'परीक्षा पे चर्चा' में विविध सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि और विशेषकर झारखंड के ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों से छात्रों की अधिकतम सहभागिता किस प्रकार सुनिश्चित की गई है;
(ख) सरकार का 'परीक्षा पे चर्चा' के दौरान दी गई मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक कल्याण संबंधी सलाह को सरकारी स्कूलों और विशेषकर अमरोहा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में किस प्रकार कार्यान्वित करने और बढ़ावा देने का विचार है;
(ग) सरकार को गत वर्ष की 'परीक्षा पे चर्चा' संस्करणों, जहां मशहूर हस्तियों और विशेषज्ञों ने छात्रों के साथ बातचीत की थी, से क्या ठोस लाभ प्राप्त हुए; और
(घ) क्या सरकार का वर्तमान वर्ष में पांच करोड़ से अधिक व्यक्तियों की असाधारण सहभागिता के साथ उक्त कार्यक्रम, जिसमें संपूर्ण देश के अधिक छात्रों को शामिल करने के लिए परस्पर संवादात्मक डिजिटल मंच या क्षेत्रीय स्तर के कार्यक्रम शामिल किए जाने की संभावना है, के प्रपत्र का विस्तार करने का विचार है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) माननीय प्रधानमंत्री ने एक अनूठे इंटरैक्टिव कार्यक्रम - परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी) की संकल्पना की, जिसमें देश भर से और विदेशों से भी छात्र, अभिभावक, शिक्षक उनके साथ बातचीत करते हैं और परीक्षाओं से उपजे तनाव पर काबू पाते हुए जीवन को एक उत्सव के रूप में मनाते हैं। पीपीसी कार्यक्रम 2025 में अन्य के अलावा, राज्य सरकार, नविस, केविसं, ईएमआरएस जैसे स्कूलों को चलाने वाले स्वायत्त निकायों, रक्षा, रेलवे बोर्ड के तहत स्कूलों आदि के साथ सभी स्तरों पर समन्वय करके प्रसार प्रयासों के संयोजन के माध्यम से विविध सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों जैसे झारखंड, पूर्वोत्तर राज्यों, लद्दाख आदि से छात्रों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की गई है। पीपीसी से संबंधित व्यापक गतिविधियाँ, अर्थात शारीरिक और भावनात्मक कल्याण को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियों के माध्यम से परीक्षा तनाव में कमी, पूरे भारत में दिनांक 13 जनवरी से 23 जनवरी, 2025 तक की 10 दिनों की अवधि में आयोजित की गईं। 23 जनवरी, 2025 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर, देश भर के लगभग सभी जिलों में छात्रों को कई स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित प्रेरक और प्रेरणादायक श्रृंखला 'भारत हैं हम' दिखाई गई और उसी पर प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। इन सभी गतिविधियों के परिणामस्वरूप पीपीसी 2025 के 8वें संस्करण में कुल 5 करोड़ से अधिक लोगों की भागीदारी हुई, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि प्रतिभागी ग्रामीण, शहरी, सरकारी, निजी और विभिन्न देशों की सभी पृष्ठभूमि से आए हैं। इसके अलावा, यह भी उल्लेखनीय है कि माननीय प्रधानमंत्री के साथ मुख्य एपिसोड में सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से एक-एक सहित 36 बच्चों ने हिस्सा लिया था। इसके अलावा, अन्य सभी 7 एपिसोड में, जिसमें 50 से 60 छात्र हैं, सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों और सभी प्रकार के स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया।

(ख) (i) मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक कल्याण सहित इससे संबंधित मामले हाल ही में आयोजित पीपीसी के दौरान माननीय प्रधान मंत्री द्वारा कवर किए गए प्रमुख विषयों में से एक थे जिसे अमरोहा संसदीय क्षेत्र सहित पूरे देश में इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल प्लेटफार्मों पर प्रसारित किया गया। उल्लेखनीय है कि माननीय प्रधानमंत्री के सत्र के अलावा, अन्य सात एपिसोडों में से दो में विशेषज्ञों द्वारा मानसिक स्वास्थ्य और उससे उबरने के संबंध में दो अलग-अलग सत्र आयोजित किए गए।

(ii) इसके अलावा, छात्रों के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य से संबंधित कुछ मुद्दों से निपटने के लिए, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एन.सी.ई.आर.टी.) ने **मनोदर्पण** पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य प्रत्यक्ष मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करते हुए शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों के बीच **मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता** बढ़ाना है। मनोदर्पण द्वारा चलाए जाने वाले कार्यक्रमों में (क) कक्षा VI-XII के छात्रों के लिए मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण से संबंधित चिंताओं का समाधान करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अभ्यास परामर्शदाताओं के साथ आयोजित '**सहयोग**' सत्र और (ख) मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में विशेषज्ञों के साथ हर शुक्रवार को आयोजित '**परिचर्चा**' वेबिनार हैं। इसके अलावा, वर्ष 2020 से देश भर के स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह (4-10 अक्टूबर) और विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (10 अक्टूबर) समारोह आयोजित किए जा रहे हैं।

(iii) **एक राष्ट्रीय टोल-फ्री हेल्पलाइन (844-844-0632)**, स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्रों और उनके परिवारों और शिक्षकों तक देशव्यापी पहुंच के साथ, जुलाई 2020 से स्वैच्छिक परामर्श सेवाएं प्रदान करने वाले प्रशिक्षित परामर्शदाता के माध्यम से कॉल करने वालों को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान कर रही है।

(iv) इसके अलावा, एनसीईआरटी के मनोदर्पण प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय स्कूल परामर्शदाता शिखर सम्मेलन और स्कूलों में मादक द्रव्यों के सेवन के बारे में जागरूकता और क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं।

(ग) "परीक्षा पे चर्चा" कार्यक्रम की सफलता और सकारात्मक प्रभाव इसमें भागीदारी संख्या में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है जो वर्ष 2018 में 22,000 से बढ़कर 2024 में 2.26 करोड़ और फिर 2025 में 3.56 करोड़ पंजीकरण तक पहुंच गई है। इसके अलावा, 1.55 करोड़ से अधिक लोगों ने पीपीसी 2025 की गतिविधियों में भाग लिया। इस प्रकार, पीपीसी 2025 में कुल भागीदारी 5 करोड़ से अधिक थी। इसके अलावा, यह भी कहा जा सकता है कि पीपीसी 2025 कार्यक्रम के 8वें संस्करण से प्राप्त प्रत्यक्ष लाभों में छात्रों के बीच परीक्षा से संबंधित तनाव के प्रबंधन के लिए जागरूकता और रणनीति में वृद्धि, बेहतर मानसिक स्वास्थ्य परिणाम, प्रभावशाली व्यक्तित्वों के साथ सीधे संपर्क के माध्यम से विविध क्षेत्रों में व्यापक भागीदारी शामिल है। यह समावेशिता, राष्ट्रव्यापी और वैश्विक जुड़ाव सुनिश्चित करता है जो समुदाय और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना, सफलता की कहानियों के माध्यम से प्रेरणा और भावनात्मक, शारीरिक और शैक्षणिक विकास आदि सहित छात्रों के विकास के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है।

(घ) पीपीसी 2025 ने मुख्य कार्यक्रम के लिए एक नया प्रारूप विकसित किया, जिसमें प्रमुख हस्तियों और विशेषज्ञों के साथ आठ एपिसोड शामिल थे, जिसमें माननीय प्रधान मंत्री के साथ बातचीत भी शामिल थी, जिसमें निम्नलिखित मुद्दे शामिल हैं:

1. मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे
2. अध्ययन में प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता
3. अध्ययन में भोजन और पोषण की भूमिका
4. सचेतनता
5. कलाकारों द्वारा दबाव में प्रस्तुति
6. खेल जगत की हस्तियों द्वारा फोकस और दबाव प्रबंधन
7. अग्रणियों से सीखना

इस 8वें संस्करण में इस प्रकरण की सफलता के साथ, मंत्रालय यह सुनिश्चित करने के लिए सभी उपाय तलाशना जारी रखेगा कि आने वाले वर्षों में देश के सभी भागों से छात्र, अभिभावक और शिक्षक सार्थक रूप से इसमें भाग ले सकें।

******